1996 Israel Award

1997 Israel Award

डॉ. मिश्रा जग प्रसिद्ध एक जमीन (मृदा) वैज्ञानिक तथा कृषी सलाहकार है । ईजीप्त, घाना, मलेशीया, बांग्लादेश, इजरायेल जैसे विदेशो में कृषि सलाहकार तथा महाराष्ट्र में बहुत से चीनी मिलो के कृषि सलाहकार के रुप में तथा इन्डो-इजरायेल एग्रोटेक लिमिटेड, राजदीप केमिकल्स एन्ड फर्टीलाइझर्स लिमिटेड, डॉ. मिश्रा फर्टीलाईझर्स एन्ड केमिकल्स, प्रोपाइटर, डॉ. मिश्रा आर्गेनिक फार्मींग सर्टीफिकेशन एजन्सी प्रा. लिमिटेड, (वडोदरा) में शोध विकास विभाग प्रमुख के रुप में कार्यरत है । डॉ. मिश्रा का दूरदर्शन केन्द्र - दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद, मुंबई से कृषि सलाहकार के रुप में १८०० बार कार्यक्रम प्रसारित हो चुका है । डॉ. मिश्रा को इजरायेल सरकार द्वारा वर्ष १९९६ तथा वर्ष १९९७ में दो बार विशिष्ट अेवोर्ड मिला हुआ है । डॉ. मिश्राने गन्ना की खेती में नयी खोज कि है जिसे डॉ. मिश्रा झिग-झेग पट्टा पद्धति के रुप में जाना जाता है । टमाटर की खेती में टेलीफोन पद्धति की खोज उनकी देन है ।

फसल : गेंहूं - जवा (जौ) (WHEAT & BARLEY)

बीज का चयनः

प्रगतीशील किसान भाईयो को हमेशा अच्छे बीज का चयन हेतु स्थानीय कृषि विश्व विद्यालय द्वारा संशोधित हाइब्रीड बीजो का चुनाव करना चाहिए तथा सीड ट्रीटमेंट करने के बाद ही बीज खेत में बोना चाहिए।

बीज बोने से पहले खेत की तैयारीः

खेतमें गेंहूं अथवा जव का बीज डालने से १५ दिन पहले फर्टोनिक सेन्द्रीय खाद (सिटी कम्पोस्ट) या फर्टोनिक - फॉस्फेट रिच सेन्द्रीय खाद (प्रोम) - १००किलो + मोफका सेन्द्रीय पोटास १५ किलो + १ किलो फर्टोमिटोड को मिला कर खेत में भुरकाव करने के दूसरे दीन मोफका दानेदार एन.पी.के. 12:32:16 या 20:20:00 -३००किलो + ईकोफर्ट - १०० किलो + 20 kg माईक्रो-फर्ट -१५ किलो +मोफका जिंक सल्फेट - ३३%-३० किलो प्रति एकर मान से खेत की भूरकाव करने के बाद, ट्रेक्टर से जुताई करके, रोटावहेटर फीराकर खेत को समतल करने के बाद, लाइन में गेंहूं अथवा जव का बीज डालने के बाद हल्का पानी देना चाहिए ।

बीज डालने से २०वे दिनः

- फर्टोनिक-२०० (रुट बायो केमिकल्स 50 ml) + 50 ml फर्टोनिक - १००० (स्ट्रेंथ बायो - केमिकल्स - 50 ml) + 15 ml - फर्टीस्टीको + नीमाडोल - 50 ml का अच्छी प्रकार से मिलाकर प्रति सीकर पंप के मान से पौधों पर अच्छी तरस हे छिडकाव करें ।

- प्रथम छिडकाव के १५ दिन बाद फर्टोनिक -२००-५० मी.ली. + फर्टोनिक -१०००-५० मि.ली.+ फर्टीस्टीको १५ मी.ली. + नीमाडोल - 50ml का अच्छी तरह से घोल बनाकर पूरी फसल पर छिडकाव करें । ईसी मान से प्रत्येक १५ वे दिन फसल की कटाइ होने तक करते रहना चाहिए.

डॉ. ऐ. के. मिश्रा
(M.Sc. Agri, Ph.D. Soil Science)
प्रमुख - शोध विकास विभाग